दुर्लभ प्रजातियों का संरक्षण

दिल्ली विकास प्राधिकरण का एक प्रयास

क्या आपने कभी विभिन्न प्रजातियों के छोटे–छोटे जीव–जंतुओं से लेकर बड़े–बड़े स्तनपायी जीवों या उप–उष्णकटिबंधीय सदाबहार जंगल से लेकर घने कंटीले वनों के इको सिस्टम को देखने के बारे में सोचा है? यदि नहीं, तो इसके बारे में अवश्य सोचें और इन स्थलों का भ्रमण करें।

प्रकृति के सुन्दर हरे–भरे संरक्षण स्थल–दिल्ली के बायोडायवर्सिटी पार्क विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों तथा पशुओं के लिए एक पर्यावास स्थल है। विदेशी प्रवासी पक्षियों तथा पौधों एवं पशुओं की दुर्लभ प्रजातियां यहां के ऐसे आकर्षण हैं जो आपको विस्मित कर देंगे।

दिल्ली विकास प्राधिकरण (दि.वि.प्रा.) द्वारा विकसित यमुना एवं अरावली बायोडायवर्सिटी पार्क इस आकर्षण के ऐसे ऐतिहासिक स्थल हैं जो दिल्ली के प्राकृतिक गौरव को बढ़ाते हैं।

यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क

दिल्ली विकास प्राधिकरण ने अपने यमुना एवं अरावली बायोडायवर्सिटी पार्कों का विकास सेंटर फॉर एनवायरमेंट मैनेजमेंट ऑफ डिग्रेडेड इकोसिस्टम्स (सी.ई.एम.डी.ई) के सहयोग से किया है। ये पार्क भारत में अपनी किस्म के ऐसे पहले उद्यान है जो उन देसी पेड़–पौधों एवं जीव–जंतुओं की सैंकड़ों लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण स्थल हैं, जो लगभग 100 वर्ष पहले विद्यमान थी तथा स्थानीय रूप में अब लुप्त हो चुकी हैं। दिल्ली विकास प्राधिकरण क्षेत्रीय पार्कों, जिला पार्कों हरित पट्टियों तथा अपने अधिकार क्षेत्र में पड़ने वाले निकटवर्ती हरे–भरे क्षेत्रों के विभिन्न हरे–भरे स्थलों का विकास करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दि.वि.प्रा. अपने बायोडायवर्सिटी पार्कों का विकास, जलाशयों का नवीनीकरण, झीलों का पुनरुद्धार कार्य, दिल्ली की जीवन–प्रणालियों की लुप्त प्राकृतिक विरासत को पुनःस्थापित करने के उद्देश्य के साथ निरंतर करता रहता है।

दि.वि.प्रा. के बायोडायवर्सिटी पार्क– यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क

यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क 457 एकड़ में फैला है, जो यमुना के आस–पास प्राकृतिक पर्यावरण के परिरक्षण को समर्पित है। यह पार्क जैविक दृष्टि से प्रचुर नम भूमि, विभिन्न प्रकार के फल देने वाले वृक्षों की प्रजातियों, घासस्थल तथा औषधियों, जड़ी–बूटियों का स्थल बन गया है। यहां के दर्शक ज़ोन तथा प्राकृतिक संरक्षण स्थल इस उद्यान की दो बड़ी विशेषताएं हैं। पार्क के प्रवेश द्वार के दाईं ओर स्थित ''वेलकम रॉक फैसेट'' गंगा एवं यमुना के उद्गम स्थल की तथा इलाहाबाद में उनके संगम की झलक देता है। बम्बूसेतम की ओर जाने वाली पगडंडी, प्रकृति व्याख्या केन्द्र, तितली उद्यान तथा आयुर्वेदिक वाटिका आदि देखने योग्य स्थल हैं। प्रकृति व्याखा केन्द्र का भवन आकर्षक है एवं लाल कालीन बिछे तल, आकर्षक आंतरिक सज्जा, टच स्क्रीन्स, दृश्य साधनों तथा विभिन्न बायोडायवर्सिटी स्तरों की झलक देने वाले पैनल बायोडायवर्सिटी की अनेक संकल्पनाओं की पूरी जानकारी देते हैं। पार्क के बाईं ओर भू–दृश्यांकन वाली दो सतही घाटी है जो 10 टीलों वाली पर्वतमाला की द्योतक है और यमुना घाटी से होते हुए हिमालय (शिवालिक) के गिरिपीठ से लेकर यमुना–गंगा के संगम तक की झलक देता है। जब आप पार्क के घुमावदार मार्ग से होकर जाएंगे तो आपको वहां कूदते हुए खरगोश दिखाई देंगे और इतना ही नहीं इनके अलावा आप टिटहरी पक्षी तथा अन्य विदेशी पक्षियों को भी देख सकते हैं। पार्क की पश्चिम दिशा में स्थित तितली संरक्षण स्थल के निकास द्वार पर आप बत्तख़ झील तथा विभिन्न प्रकार की रंग–बिरंगी अनेक मछलियां देख सकते हैं। यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क दिल्ली का एक अत्यधिक भ्रमणशील आकर्षक स्थल है तथा यहां प्रकृति की सम्पन्न विरासत के अध्ययन तथा उसे समझने के एक प्रसिद्ध केन्द्र के रूप में उभर रहा है। इस पार्क में निम्नलिखित स्थानों से आसानी से पहुंचा जा सकता है:– (i) भजनपुरा से होते हुए पूर्वी दिल्ली की ओर से (ii) अ.रा.ब.अ. कश्मीरी गेट से होते हुए दक्षिण तथा मध्य दिल्ली की ओर से (iii) बुराड़ी होते हुए उत्तरी दिल्ली की ओर से।

यह बायोडायवर्सिटी पार्क कनॉट प्लेस के उत्तर–पूर्व से 15 कि.मी. तथा अ.रा.ब.अ. के उत्तर में 4 कि.मी. दूरी पर स्थित है।

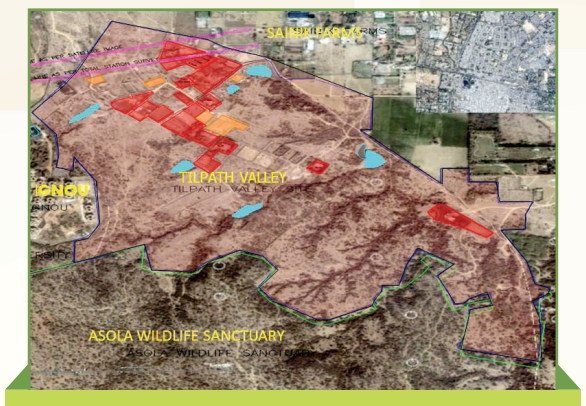

तिलपत घाटी

विकसित किए जा रहे बायोडायवर्सिटी पार्क

1. उत्तरी रिज, क्षेत्रफल लगभग 87 हैक्टेयर, स्थान : दिल्ली विश्वविद्यालय के पास।
2. तिलपथ घाटी–क्षेत्रफल लगभग 70 हैक्टेयर, स्थान : सैनिक फार्म के पास।
3. यमुना नदी तट (ओ ज़ोन), क्षेत्रफल लगभग : 9770 हैक्टेयर (बायोडायवर्सिटी एवं मनोरंजन क्षेत्र)।
4. नीला हौज़–क्षेत्रफल लगभग 3.90 हैक्टेयर, स्थानः दक्षिण–मध्य रिज़ के पास, अरुणा आसफ अली मार्ग के समानांतर।

डीडीए के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत जलाशय (वाटर बाडिज़)

जलाशय			
उत्तर	दक्षिण	पूर्व	दक्षिण–पश्चिम
सिरसपुर–2	हरिनगर आश्रम	खिचड़ीपुर	महिपालपुर–4
धीरपुर–3	तुगलकाबाद	नंदनगरी	हौज खास–2
धीरपुर निकट रेडियो कॉलोनी	लाडो सराय	सुंदरनगरी	मसूदपुर
भलस्वा जहांगीरपुरी	मदनगीर	महाराज सूरजमल पार्क	महरौली (बाबा अदरंगनाथ)
पीतम पुरा–2	सतपुला झील, खिड़की	ताहिरपुर	मुनिरका
हर्ष विहार	बदरपुर मार्शेस	शास्त्री पार्क	सहारा रेस्टोरैंट के सामने
		विनोद नगर (पश्चिम)	किशनगढ़–2
द्वारका	**रोहिणी**	गाजीपुर	वसंत गांव
अम्बरहाई–2	मंगोलपुर कलां	संजय झील	विष्णु गार्डन
भरथल	रिठाला		पश्चिम विहार
बागडोला–2			शाहबाद मोहम्मदपुर–1
पालम–2			नज़फगढ़–2
नसीरपुर			बिजवासन
पोचनपुर–3			
बामनोली–2			

अरावली बायोडायवर्सिटी पार्क

अरावली बायोडायवर्सिटी पार्क

अरावली बायोडायवर्सिटी पार्क 692 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। यह वंसत विहार के निकट स्थित है। अरावली बायोडायवर्सिटी पार्क का भूदृश्यांकन उथली घाटियों सहित लहरदार है। यहां उभार वाली रिज़ एवं समतल क्षेत्र भी है और कहीं–कहीं विविध प्रकार के समोच्च रेखाओं के घनित गड्ढे है। ये आपको विस्मित कर देते हैं। यहां दो प्रमुख ज़ोन (i) आंगुतक ज़ोन और (ii) प्रकृति आरक्षण ज़ोन हैं। आप जैसे ही उद्यान में प्रवेश करेंगे तो पूर्वी मार्ग गेट के समीप वृक्षों की विभिन्न प्रजातियां जैसे मधुका लोंगिफोलिया (महुआ), डायोस्पायरस मलेनोक्सिलोन (तेंदू) इत्यादि जैसे पर्णपाती वृक्ष दिखाई देंगे। आप वास्तव में 40–50 फीट ऊँचे स्थानीय वृक्षों की पूर्णतः विकसित केनोपि देखकर आश्चर्यचकित रह जाएंगे। पार्क से निकलते समय आपको ब्लैक ब्रेस्टेड रेडस्टार्ट, एशी प्रिनिया जैसे विभिन्न प्रकार के पक्षी दिखाई देंगे। आगंतुक ज़ोन में वनस्पति वाटिका, श्रृंखला भूमि, झील इको सिस्टम, तटवर्ती वनस्पति वाली नमभूमि आदि की व्यवस्था की गई है। विभिन्न प्रकार के फलों की प्रजातियों की संरक्षण स्थली, इत्यादि पार्क के मुख्य आकर्षण हैं। पार्क में रंग–बिरंगी तितलियों के संरक्षण स्थल, टयूबरस और बल्बस जैसी आकर्षक प्रजातियां हैं। यहां लहरदार जलाशय स्थानीय बत्तख़ों और जल की वनस्पति को पोषित करते हैं। कार्यालय परिसर के समीप पगडण्डी एम्फीथिएटर से होती हुई उथली संरक्षण घाटी और औषधीय वृक्षों के बीच में से होकर निकलती है। सीढ़ियों के समीप तितलियों के संरक्षण की झाड़ियों में 30–40 प्रकार की हजारों रंग–बिरंगी तितलियां देख सकते हैं। दक्षिणी मध्य रिज़ पर स्थित अरावली बायोडायवर्सिटी पार्क उत्तर से पूर्व की दिशा से जे.एन.यू. (नेलसन मंडेला मार्ग), महरौली–महिपालपुर रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग–8 और पालम रोड तथा वसंत विहार की दक्षिणी सीमा से घिरा हुआ है। आप इस बायोडायवर्सिटी पार्क में मोती बाग के दक्षिण–पश्चिम से और जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (मुनीरका) से 4 कि.मी. दूर वसंत विहार–पूर्वी मार्ग गेट से अथवा महिपालपुर के उत्तर में 3.5 कि.मी. एवं वसंतकुंज मॉल के पश्चिम में 1 कि.मी. दूर वसंतकुंज सांस्थानिक गेट से पहुंच सकते हैं।

बायोडायवर्सिटी पार्कों का भ्रमण करने के कारण

1. बायोडायवर्सिटी पार्क अपनी किस्म के अनूठे उद्यान हैं, जो जैविक समुदायों के प्राकृतिक संसाधनों तथा इको सिस्टम्स के संरक्षण का स्थल हैं।
2. आप आनंदायक नदी–तट पर टहलने का मोह नहीं छोड़ सकते।
3. बायोडायवर्सिटी पार्कों के थीम गार्डन अनोखे हैं, जहां सभी आयु वर्गों के व्यक्तियों को प्रकृति का उसके वास्तविक रूप में आनंद लेने की सुविधा है।
4. बायोडायवर्सिटी पार्क पारिस्थितिकी शिक्षा के अवसर देते हैं जहां उद्यान के खुले क्षेत्र में विभिन्न थीम्स पर आधारित अभियान स्थलों, सेमीनारों, वर्कशॉप तथा प्रदर्शनियों में आप भाग लेने के साथ–साथ ज्ञान भी प्राप्त कर सकते हैं।
5. पेड़–पौधों एवं जीव–जंतुओं की विभिन्न किस्में भ्रमणकारियों के ज्ञान–स्तर को व्यापक सीमा तक बढ़ाएंगी।

सूरजमल समाधि में जलाशय का विकास

सूरजमल समाधि (मॉडल पार्क)

इस स्थल का विकास एक मॉडल पार्क के तौर पर किया जाना है। इस स्थल में महाराजा सूरजमल की समाधि है और एक जलाशय है जोकि इस समय सूखा है। प्रस्तावित क्षेत्र सूरजमल विहार में 6.3 हे. भूमि में फैला है। यह पार्क आसपास के सघन आवासीय क्षेत्र के लिए खुली सांस लेने की जगह है। स्थल का विकास पर्यावरण की दृष्टि से किया गया है जोकि वर्तमान टोपोग्राफी, देसी वनस्पति तथा जलाशय के साथ सहसंबंध पर आधारित है। जलाशय के किनारों की सफाई करने पर विचार किया गया और इस प्रकार इसको ग्राउण्ड वाटर रिर्चाज ज़ोन के रूप में और सुधारा गया ताकि स्थल से अधिक जल बहने को रोका जा सके।

भूदृश्य डिजाइन की संकल्पना दोनों औपचारिक और अनौपचारिक गतिविधियों हेतु व्यापक स्थान के विकास के लिए की गई। समाधि के संबंध में डिजाइन का विकास किया गया है और इस प्रकार सफलतापूर्वक इसके महत्व को दर्शाया गया। अतएव, महाराजा सूरजमल की विद्यमान समाधि के महत्व को बनाए रखने के लिए ज्यामितीय डिजाइन संकल्पना को मिलाया गया है। एंट्रेंस प्लाजा, समाधि और कल्चरल नोड को स्पष्ट करने के लिए दो प्रमुख एक्सेस की रचना की गई।

एंट्रेंस प्लाजा डिजाइन ने पार्क को अनोखी पहचान दी है जोकि लोगों को एकत्र होने का स्थान प्रदान करता है। औपचारिक बैठने की जगह के साथ फूड कोर्ट का एकीकरण एंट्रेंस प्लाजा को इंटरएक्टिव रिक्रिएशनल जोन के तौर पर किया गया है। प्रदर्शनी, बैठने और डिस्प्ले क्षेत्र के लिए जगह देने के द्वारा औपचारिक स्थान सहित सांस्कृतिक समागम स्थल को मिलाया गया है।

जलाशय महत्वपूर्ण परिवर्तन स्थल के रूप में शोभित किया गया है जोकि स्थलों की रचना जैसे विभिन्न किस्म की वनस्पतियों के अंतर्गत डेकों को देखना, पंचकुएशन पॉयंट्स, बैठने की जगह के द्वारा औपचारिक गतिविधियों के साथ अनौपचारिक गतिविधियों को जोड़ता है। अतः जगह की निरंतर गतिशीलता द्वारा डिजाइन में जलाशय को मिलाने की उचित परिभाषा प्रदान की गई। भूदृश्य डिजाइन के तत्व जैसे ढलान में घास यहां बहुत मज़बूत दृश्य सम्पर्क की रचना करते हुए उच्च भौतिक सीमाओं को हटाती है।

प्रस्ताव में गतिविधियां जैसे बच्चों के खेलने की जगह, वरिष्ठ नागरिकों के लिए जगह, नर्सरी, बहु–उद्देश्य जिम, बैठने की जगह आदि सम्मिलित हैं। अतः इससे प्रत्येक वर्ग के उपयोगकर्ताओं को सुविधा मिलती है।

भलस्वा झील के सामने झील का विकास–सम्पूर्ण पारिवारिक मनोरंजन स्थल (कलात्मक दृश्य)

भलस्वा झील परिसर (बाहरी रिंग रोड)

भलस्वा झील, ऐतिहासिक तौर पर हॉर्स–शूलेक के नाम से जानी जाती है। यह मुकुन्दपुर गांव के पास उत्तरी ज़ोन में स्थित है। स्थल का क्षेत्रफल 92 हेक्टेअर है जिसमें से 22 हेक्टेअर में जलाशय है और 9 होल गोल्फ कोर्स शामिल है। इस स्थल को सक्रिय मनोरंजन ज़ोन के तौर पर विकसित करने का प्रस्ताव है।

भूदृश्यांकन डिजाइन का प्रस्ताव एक झील जैसा मनोरंजन केन्द्र बनाने का है और इसे पर्यावरणीय मान्यताओं के आधार पर इस प्रकार से डिजाइन किया गया है ताकि इसमें एक प्राकृतिक सौन्दर्य का आभास हो। विभिन्न क्रियाकलापों के मध्य सम्पर्क दो मुख्य धुरियों पर कुछ सक्रिय ज़ोनों को मिला कर किया गया है। क्रियाकलापों की ज़ोनिंग एक दूसरे के संबंध में की गई है और झील के साथ एक भौतिक तथा दृश्यपरक सम्पर्क को बनाए रखा गया है।

पर्यावरणीय संवेदनशील गतिविधियां जैसे एविअरी, नेचर ट्रैल, कैम्पिंग, एडवेंचर स्पोर्ट, बटर फ्लाई पार्क, ऑर्चड्स आदि पार्क को पर्यावरण शिक्षण पार्क के रूप में विकसित करने के लिए डिजाइन में सम्मिलित है। ऐसी गतिविधियां जैसे बोटिंग/फेरी राइड, फ्लोटिंग रेस्टोरेंट, लेजर लाइट शो आदि इस स्थल को झील के साथ एकात्मकता दिखाई देने हेतु डिजाइन सम्मिलित किया गया है।